



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 340] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 19, 1972/आषाढ़ 28, 1894

No. 340] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 19, 1972/ASADHA 28, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th July 1972

S.O. 494(E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 52 of the Employees' Provident Funds Scheme and in supersession of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 396E, dated the 31st May, 1972, the Central Government hereby directs that accumulations out of

the provident fund contributions, interest and other receipts as reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the following pattern, namely:—

	From 1st July 1972 to 30th September, 1972.	From 1st October 1972 to 31st March, 1973
(i) Central Government securities and Small Savings (other than Post Office Time Deposits).	45%	—
(ii) State Government securities and State or Central Government guaranteed securities.	25%	25%
(iii) Post Office Time Deposits.	30%	75%

Provided that any shortfall in investment in the securities referred at (ii), during the period from 1st April, 1972 to 30th June, 1972, shall be made up during the period from 1st July 1972 to 31st March, 1973, so that the overall investment in these securities during 1972-73 should be 25 per cent.

2. All re-investment of provident fund accumulations (whether invested in securities created and issued by the Central Government or in savings certificates issued by the Central Government or in securities created and issued by a State Government) shall also be made according to the pattern mentioned in paragraph 1 above.

3. This notification shall be deemed to have come into force with effect from the 1st July, 1972.

[No. G.27035(4)/72-PF.I/II.]

N. P. DUBE, Jt. Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1972 ।

का०आ० 494 (अ).—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम के पैरा 52 के उप-पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 396 ड तारीख 31 मई, 1972 के क्रम में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि भविष्य निधि अभिदायों के सन्वयनों, ब्याज और अन्य प्राप्तिओं को बाध्यकर निर्गमों को कम करके, निम्नलिखित तमूने के अनुसार विनिहित किया जाएगा, अर्थात् :—

	पहलो जुलाई, 1972 से 30 सितम्बर, 1972 तक	पहलो अक्तूबर, 1972 से 31 मार्च, 1973 तक
(i) केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में और लघु बचतों (आकषरों में आवधिक जमाओं के अतिरिक्त) ।	45%	—

पहली जुलाई, 1972 पहली अक्टूबर, 1972
से 30 सितम्बर 1972 से 31 मार्च, 1973
तक तक

(ii) राज्य सरकार प्रतिभूतियों में और राज्य/केन्द्रीय सरकार द्वारा गारंटीकृत प्रतिभूतियों में ।	25%	25%
(iii) डाकघरों में प्रावधिक जमाओं में ।	30%	75%

बगलें कि (ii) में निर्दिष्ट प्रतिभूतियों में निवेश में पहली अप्रैल, 1972 से 30 जून, 1972 के दौरान हुई कमी पहली जुलाई, 1972 से 31 मार्च, 1973 के दौरान पूरा कर ली जाएगी ताकि 1972-73 में इन प्रतिभूतियों में सारा निवेश 25 प्रतिशत हो जाए ।

2. भविष्य निधि संचयनों के सभी पुनर्बिनिधान (चाहे केन्द्रीय सरकार द्वारा सृष्ट और जारी की गई प्रतिभूतियों में बिनिहित किए जाएं या केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए बचत प्रमाण-पत्रों में या किसी राज्य सरकार द्वारा सृष्ट और जारी की गई प्रतिभूतियों) श्री ऊपर पैरा—1 में उपवर्णित नमूने के अनुसार किए जाएंगे ।

3. यह अधिसूचना पहली जुलाई, 1972 से लागू हुई समझी जायेगी ।

[संख्या जी-27035(4)/72-पी० एफ०-1(2)]

एन० पी० दूबे, संयुक्त सचिव ।

